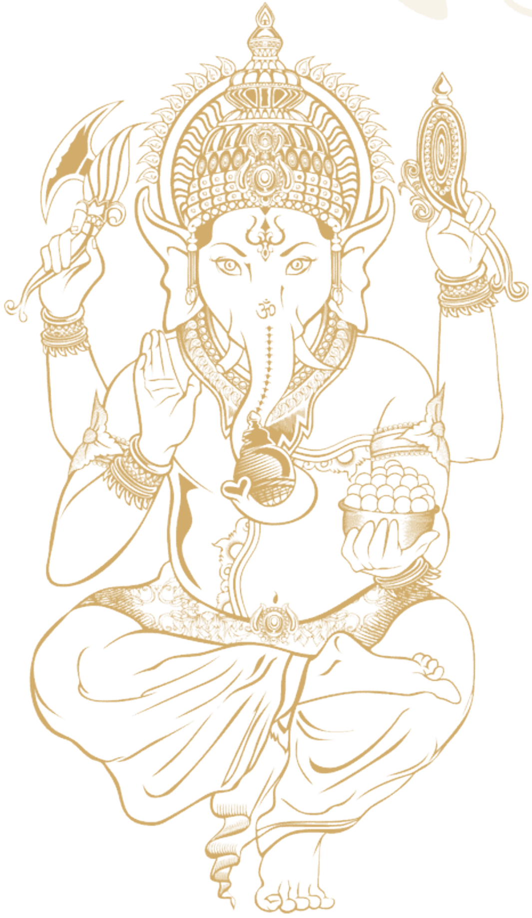

GHANSHYAM

SHRUTI SINHA

Model: Horoscope-Matching **Order No: 121844401**

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121844401 Date: 06/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/02/1999	जन्म तिथि	28/02/2001
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:55:00	जन्म समय	16:55:00 घंटे
घटी 26:46:49	जन्म समय(घटी)	26:54:32 घटी
India	देश	India
Jamui	स्थान	Dhanbad
24:55:00 उत्तर	अक्षांश	23:48:00 उत्तर
86:13:00 पूर्व	रेखांश	86:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:14:52	स्थानिक संस्कार	00:15:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:16	सूर्योदय	06:07:32
17:44:38	सूर्यास्त	17:46:18
23:50:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:08
सिंह	लग्न	सिंह
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
आर्द्रा	नक्षत्र	भरणी
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	1
प्रीति	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	बालव
घ-घनश्याम	जन्म नामाक्षर	ली-लीना
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 9वर्ष 1मा 17दि		02:19:16	सिंह	लग्न	सिंह	05:19:11	शुक्र 18वर्ष 6मा 28दि	
शनि		12:33:50	कुंभ	सूर्य	कुंभ	16:04:13	चन्द्र	
13/04/2024		13:14:13	मिथु	चंद्र	मेष	14:16:53	27/09/2025	
14/04/2043		15:53:14	तुला	मंगल	वृश्चि	13:04:07	28/09/2035	
शनि	17/04/2027	28:51:39	कुंभ	बुध	मक	21:57:46	चन्द्र	29/07/2026
बुध	25/12/2029	08:56:51	मीन	गुरु	वृष	09:13:08	मंगल	27/02/2027
केतु	03/02/2031	10:36:03	मीन	शुक्र	मीन	22:26:25	राहु	28/08/2028
शुक्र	04/04/2034	05:49:01	मेष	शनि	वृष	01:16:54	गुरु	28/12/2029
सूर्य	17/03/2035	28:16:04	कर्क	राहु व	मिथु	19:47:55	शनि	29/07/2031
चन्द्र	16/10/2036	28:16:04	मक	केतु व	धनु	19:47:55	बुध	27/12/2032
मंगल	24/11/2037	20:15:29	मक	हर्ष	मक	28:02:06	केतु	28/07/2033
राहु	30/09/2040	09:15:08	मक	नेप	मक	13:36:12	शुक्र	29/03/2035
गुरु	14/04/2043	16:34:37	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:19:21	सूर्य	28/09/2035

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:50:33 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:08

लग्न-चलित

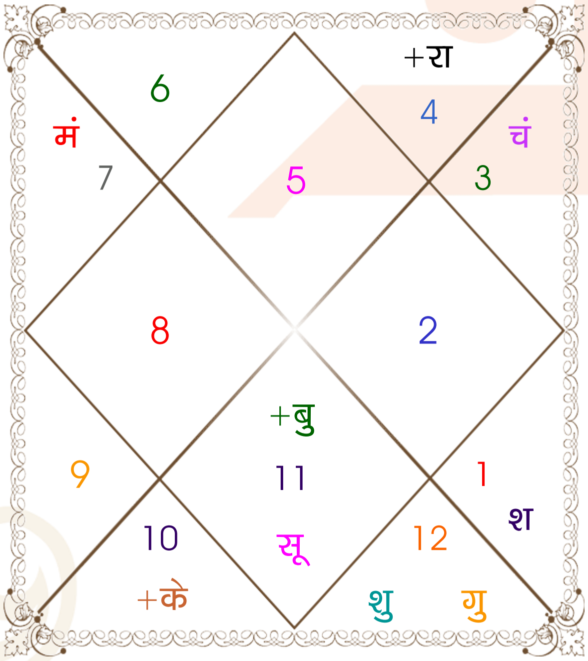

लग्न-चलित

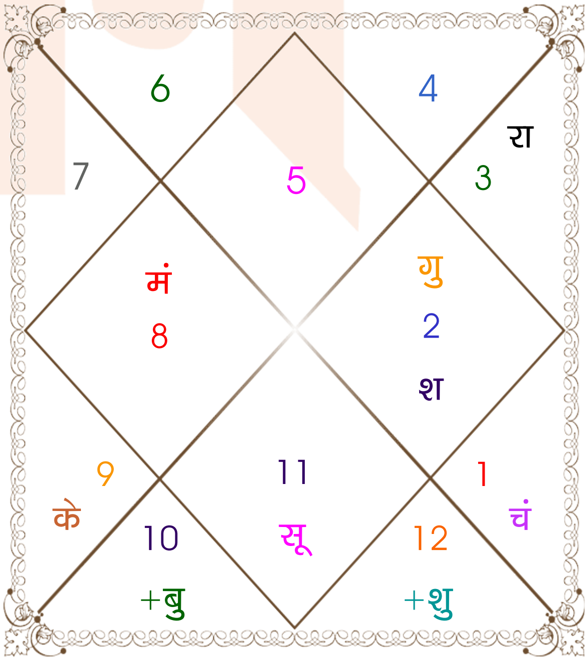

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

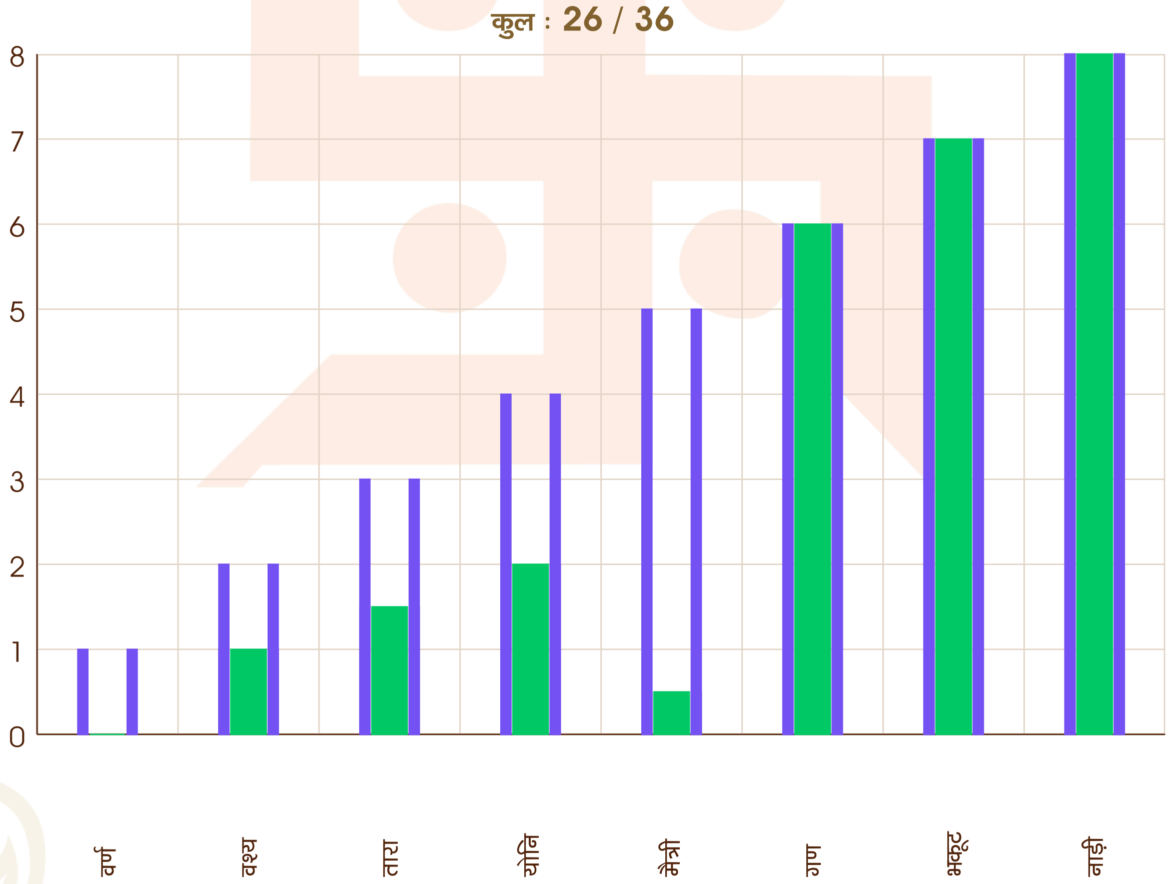

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट मिलान

GHANSHYAM का वर्ग मार्जार है तथा SHRUTI SINHA का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार GHANSHYAM और SHRUTI SINHA का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

GHANSHYAM मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

SHRUTI SINHA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल SHRUTI SINHA कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्थ्;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल SHRUTI SINHA कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल GHANSHYAM कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

GHANSHYAM तथा SHRUTI SINHA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

GHANSHYAM का वर्ण शूद्र है तथा SHRUTI SINHA का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें SHRUTI SINHA का वर्ण GHANSHYAM के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण SHRUTI SINHA अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। SHRUTI SINHA का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए GHANSHYAM को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

GHANSHYAM का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं SHRUTI SINHA का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप GHANSHYAM एवं SHRUTI SINHA दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। SHRUTI SINHA अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में GHANSHYAM अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

GHANSHYAM की तारा प्रत्यरि तथा SHRUTI SINHA की तारा साधक है। GHANSHYAM की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत GHANSHYAM कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप SHRUTI SINHA को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

GHANSHYAM की योनि श्वान है तथा SHRUTI SINHA की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में GHANSHYAM का राशि स्वामी SHRUTI SINHA के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि SHRUTI SINHA का राशि स्वामी GHANSHYAM के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

GHANSHYAM का गण मनुष्य तथा SHRUTI SINHA का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

GHANSHYAM से SHRUTI SINHA की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा SHRUTI SINHA से GHANSHYAM की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण GHANSHYAM परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर SHRUTI SINHA हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए

बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

GHANSHYAM की नाड़ी आद्य है तथा SHRUTI SINHA की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

GHANSHYAM की जन्म राशि वायु तत्व युक्त मिथुन राशि है तथा SHRUTI SINHA की अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है। वायुतत्व एवं अग्नि तत्व की परस्पर मित्रता एवं समानता के कारण GHANSHYAM और SHRUTI SINHA में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेगी। जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा। SHRUTI SINHA की अग्नि तत्व राशि से यदा कदा परस्पर तनाव उत्पन्न होगा परन्तु वायुतत्व प्रधान GHANSHYAM के प्रभाव से तनाव में कमी आएगी तथा स्थिति सामान्य हो जाएगी।

GHANSHYAM का राशि स्वामी बुध तथा SHRUTI SINHA का राशि स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं सम है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष सुखद नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से गलतफहमियों या भ्रांतियों के कारण इनके मध्य अधिकांश विवाद उत्पन्न होंगे जिससे संबधों की मधुरता में न्यूनता आएगी परन्तु GHANSHYAM अपनी शांति एवं बुद्धिमता की प्रवृति से इसका समाधान करने में समर्थ होंगे फलतः तनाव में कमी आएगी।

GHANSHYAM और SHRUTI SINHA की राशियां परस्पर तृतीयएकादश भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से GHANSHYAM और SHRUTI SINHA आर्थिक दृष्टि से सुसम्पन्न रहेंगे तथा अपने परिश्रम एवं योग्यता से धनार्जन करेंगे। साथ ही अपने परस्पर विवादों को शांति एवं बुद्धिमता पूर्वक समाधान करेंगे जिससे मधुर संबधों में वृद्धि होगी।

GHANSHYAM का वश्य मानव एवं SHRUTI SINHA का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं चतुष्पद में असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः GHANSHYAM और SHRUTI SINHA की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी जिससे परस्पर संबधों में मधुरता की कमी रहेगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

GHANSHYAM का वर्ण शूद्र तथा SHRUTI SINHA का वर्ण क्षत्रिय है। अतः SHRUTI SINHA उत्साही पराक्रमी एवं साहसी महिला होंगी तथा ऐसे ही कार्यो को सम्पन्न करेंगी परन्तु GHANSHYAM की प्रवृति कार्य विशेष में न होकर किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने में रहेगी जिससे दोनों के कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी परन्तु यदा कदा SHRUTI SINHA की अपेक्षा GHANSHYAM के मन में हीनता की भावना उत्पन्न हो सकती है।

धन

GHANSHYAM और SHRUTI SINHA की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। GHANSHYAM एवं SHRUTI SINHA की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से GHANSHYAM और SHRUTI SINHA की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा।

अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

GHANSHYAM को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार GHANSHYAM और SHRUTI SINHA धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

GHANSHYAM का जन्म आद्य तथा SHRUTI SINHA का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव GHANSHYAM के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए GHANSHYAM को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से GHANSHYAM और SHRUTI SINHA का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति SHRUTI SINHA के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः SHRUTI SINHA को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

GHANSHYAM और SHRUTI SINHA बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः GHANSHYAM और SHRUTI SINHA का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

SHRUTI SINHA के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि SHRUTI SINHA धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से SHRUTI SINHA के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी SHRUTI SINHA का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी SHRUTI SINHA से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

GHANSHYAM की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर GHANSHYAM सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन GHANSHYAM ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का GHANSHYAM के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।